एण्ड्रोक्लीज तथा सिंह

बहुत पहले की बात है एक राजा के यहाँ एण्ड्रोक्लीज नाम का एक दास रहता था। वह राजा उसे बहुत परेशान करता था। एक दिन राजा से परेशान होकर वह घने जंगल की तरफ भाग जाता है। वहाँ उसके सामने एक शेर आ जाता है। जब एण्ड्रोक्लीज देखता है कि वह शेर ज़ख्मी है तथा चल नहीं पा रहा है, क्योंकि उसके पंजे में एक बहुत बड़ा काँटा चुभ गया है, तो वह निर्णय लेता है कि वह उस शेर की मदद करेगा। वह शेर के पास डरता हुआ जाता है तथा उसके पंजे से काँटा निकाल देता है। इसके बाद शेर वहाँ से चला जाता है।

कुछ समय पश्चात् एण्ड्रोक्लीज को राजा के सैनिक पकड़ लेते हैं तथा राजा के सामने पेश करते हैं। राजा सैनिकों को आदेश देता है कि उसको भूखे शेरों के सामने डाल दिया जाए। राजा के सैनिक एण्ड्रोक्लीज को पकड़कर उसे भूखे शेरों के सामने डाल देते हैं।

उन शेरों में वह शेर भी था, जिसकी जान एण्ड्रोक्लीज ने बचाई थी। वह शेर दूसरे शेरों को उसे खाने से रोक देता है तथा वह शेर जाकर एण्ड्रोक्लीज के पैर चाटने लगता है। यह देखकर सारे दरबारी तथा राजा चौंक जाते हैं और एण्ड्रोक्लीज को छोड़ देते हैं।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि "कर भला तो हो भला"।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद की मदद से लिखिए–

प्र.1 राजा के दास का क्या नाम था ?

.....

प्र. 2 एण्ड्रोक्लीज कहाँ भाग गया ?

.....

प्र. 3 एण्ड्रोक्लीज को जंगल में कौन मिला ?

.....

प्र. 4 कहानी पढ़ कर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

शेरों में वह ..... भी था, जिसकी जान ..... ने बचाई थी। वह शेर ..... को उसे खाने से रोक देता है तथा वह शेर जाकर एण्ड्रोक्लीज के पैर ..... लगता है।

प्र. 5 राजा ने सैनिकों को क्या आदेश दिया?

.....

प्र. 6 शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

पस्चात् :– .....

पेर :–.....

काटा :– .....

प्र. 7 एण्ड्रोक्लीज ने क्या निर्णय लिया?

.....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.
के.वि. अनन्तनाग